



Neutral Citation Number- 2026:AHC:32515

उच्च न्यायालय, इलाहाबाद

रिट-सी संख्या-5755/2026

राजपति

.....याचिकाकर्तागण

बनाम

उत्तर प्रदेश और 10 अन्य राज्य

.....प्रत्यर्थीगण

याचिकाकर्तागण के अधिवक्ता

: धीरेंद्र कुमार, कर्म सिंह यादव, पवन कुमार श्वकर्मा

प्रत्यर्थीगण के अधिवक्ता

: भूपेंद्र कुमार त्रिपाठी, सी.एस.सी.

न्याय कक्ष संख्या-6

माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया

1. उभयपक्षों के विद्वान अधिवक्ताओं को सुना गया तथा अभिलेख का अवलोकन किया गया।
2. यहां पारित किए जाने वाले आदेश को देखते हुए, प्रत्यर्थी/प्रत्यर्थीगण को नोटिस देने और इस याचिका को इस न्यायालय के समक्ष लंबित रखने से कोई फ़ायदा नहीं होगा। हालांकि, यदि प्रत्यर्थी/प्रत्यर्थीगण को आदेश से कोई दिक्कत महसूस होती है, तो आदेश में संशोधन/परिवर्तन की मांग करने का उनका अधिकार सुरक्षित रखा गया है।

“अस्वीकरण: अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।”



3. वर्तमान याचिका में याचिकाकर्ता द्वारा मांगी गई मूल राहत यह है कि प्रत्यर्थी संख्या-3, उप-विभागीय अधिकारी, मछलीशहर, जौनपुर को निर्देश दिया जाए कि वे वाद संख्या-8601/2024 (कंप्यूटर वाद संख्या टी-202414360308601) का शीघ्रतापूर्वक निस्तारण करें।

4. पिटीशनर के अधिवक्ता ने दलील दी कि हालांकि काफी समय बीत चुका है, लेकिन आज तक इस मामले में कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है।

5. मामले के तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, इस याचिका का निपटारा इस निर्देश के साथ किया जाता है कि प्रत्यर्थी संख्या-3, उपर्युक्त मामले का निर्णय शीघ्रतापूर्वक, विधि के पूर्णतः अनुरूप और बिना किसी अनावश्यक स्थगन के करे, बशर्ते कि इसमें कोई विधिक बाधा न हो।

(माननीय न्यायमूर्ति प्रकाश पांडिया)

12 फरवरी, 2026

प्रमोद त्रिपाठी

“अस्वीकरण: अनुवादित निर्णय वादी के समझने हेतु है और इसका किसी अन्य उद्देश्य के लिए प्रयोग नहीं किया जा सकता है। सभी कानूनी और सरकारी उद्देश्यों के लिए, निर्णय का मूल संस्करण ही मान्य होगा।”